Drishti IAS

# करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

## जनवरी (संग्रह)

## 2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

# अनुक्रम


**मध्य प्रदेश** **3**

- सिंगरौली में भूकंप 3
- जल महोत्सव 2023 4
- मौसम की चरम घटनाएँ और मानव क्षति 4
- कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता के शावक 5
- फूड स्ट्रीट 'प्रसादम', उज्जैन 6
- इंदौर: लगातार सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर 7
- अलीराजपुर में मुख्यमंत्री मेगा हेल्थ कैंप 7
- नदी जोड़ो परियोजना पर चिंता 7
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते की मृत्यु 9
- मध्य प्रदेश सरकार कोष संकट 10
- बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में बाघ की मृत्यु 11
- भारत में दलहन उत्पादन की स्थिति 12
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर महाकाल के लड्डुओं को अयोध्या के लिये रवाना किया 13
- भगवान राम से जुड़े स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा 13
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023: स्वच्छता में भोपाल 5वें स्थान पर 14
- मप्र लोकायुक्त ने राज्य बोर्ड में घोटाले की जाँच की 15
- सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभागों का विलय 16
- विश्व की सबसे बड़ी 'डायनासोर हैचरी' में से एक का खुलासा 17


**नोट :**

# मध्य प्रदेश

## सिंगरौली में भूकंप

### चर्चा में क्यों ?

नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, मध्य प्रदेश के सिंगरौली ज़िले में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

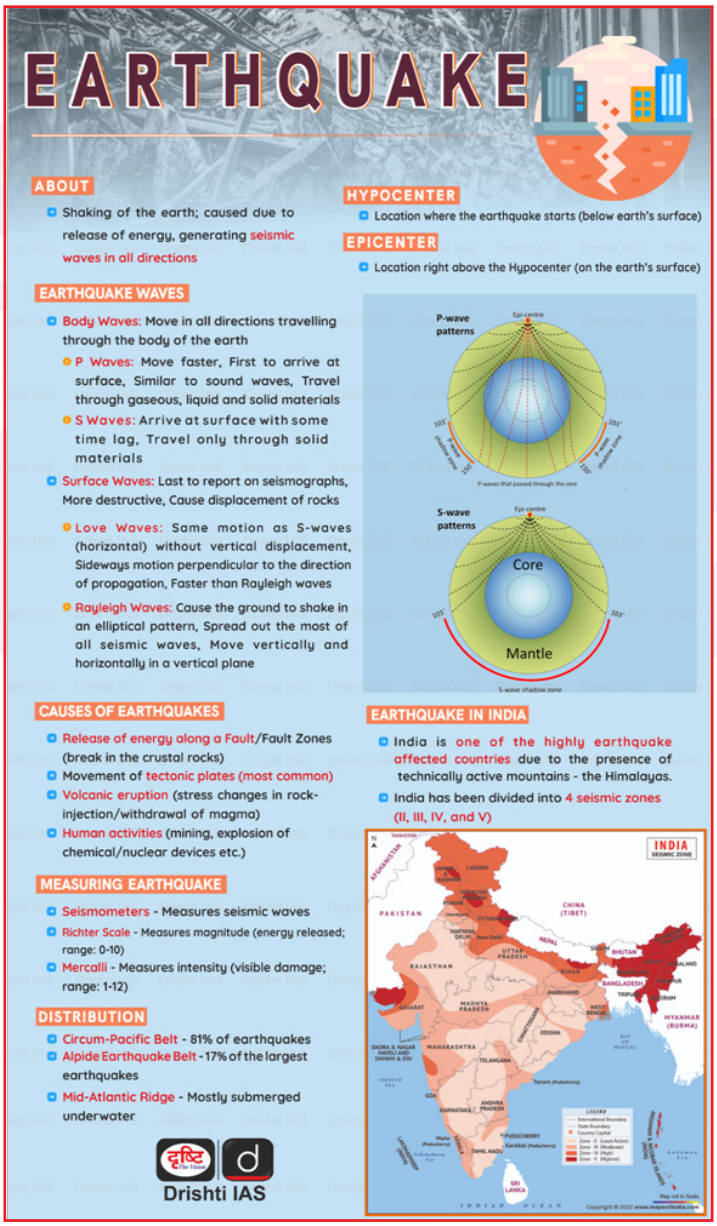


नोट :

**मुख्य बिंदु:**

- NCS, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
- भूकंप की घटनाओं को कंपन के परिमाण या तीव्रता के अनुसार मापा जाता है। परिमाण पैमाने को रिक्टर पैमाने के रूप में जाना जाता है।
- यह परिमाण भूकंप के दौरान जारी ऊर्जा से संबंधित है, जिसे पूर्ण संख्या में यानी 0-10 में व्यक्त किया जाता है।

## जल महोत्सव 2023

### चर्चा में क्यों ?

वार्षिक जल महोत्सव 2023 दिसंबर 2023 से जनवरी 2024 तक मध्य प्रदेश में इंदिरा सागर बाँध के तट पर स्थित हनुवंतिया टेंट सिटी की मनोरम पृष्ठभूमि में आयोजित हुआ।

**मुख्य बिंदु:**

- मध्य प्रदेश के खंडवा ज़िले में होने वाला जल महोत्सव स्थानीय संस्कृति का एक जीवंत शो है, जिसमें लोक प्रदर्शन और पारंपरिक अनुष्ठान जल व भारत की समृद्ध विरासत के बीच गहरे संबंध का जश्न मनाते हैं।
  - यह जल संरक्षण और सतत् प्रथाओं जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों के विषय में जागरूकता बढ़ाने का एक मंच है। यह समुचित जल उपयोग को बढ़ावा देता है और विभिन्न पर्यावरणीय पहलों का समर्थन करता है।
- 10 एकड़ में फैले इस वर्ष के टेंट सिटी में 100 शानदार टेंट और अन्य सुविधाएँ होंगी, जैसे उत्तम भोजन परोसने वाला एक डाइनिंग हॉल, आरामदेह सिट-आउट गज़ेबो (छोटी इमारत जहाँ से बाहर का पूरा नज़ारा हो सकता है) और इनडोर स्पोर्ट्स रूम।
  - एक खाद्य बाज़ार, शिल्प बाज़ार और एक कायाकल्प करने वाला कल्याण केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक दिन मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की जाएंगी।
- आयोजन स्थल पर क्षेत्रीय व्यंजनों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया जाता है, जिसमें स्थानीय शेफ अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हैं और आनंददायक दावतें पेश करते हैं।

## मौसम की चरम घटनाएँ और मानव क्षति

### चर्चा में क्यों ?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 के दौरान मौसम की चरम घटनाओं के कारण सबसे अधिक मौतें हुई हैं।

**मुख्य बिंदु:**

- मौसम की चरम घटनाओं के कारण 2,376 से अधिक लोगों की मौत के साथ, IMD के अनुसार वर्ष 2023, वर्ष 1901 के बाद से रिकॉर्ड पर सबसे अधिक मौत वाला वर्ष था।
- वर्ष 2023 के दौरान भारत में वार्षिक औसत भूमि सतह वायु तापमान दीर्घकालिक औसत (1981-2010 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो वर्ष 1901 के बाद से रिकॉर्ड पर दूसरा सबसे गर्म वर्ष बन गया।
- विश्व स्तर पर, वर्ष 2023 अक्तूबर तक पूर्व-औद्योगिक स्तर (1850 - 1900 औसत) से लगभग 1.40 (± 0.12) डिग्री सेल्सियस उच्च वैश्विक औसत तापमान के साथ "रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष" था।
  - विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा नवंबर और दिसंबर के वैश्विक औसत तापमान को ध्यान में रखते हुए अंतिम आँकड़े बाद में जारी किये जाएंगे।
- वैश्विक तापमान के साथ-साथ भारत में भी उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय अल-नीनो जैसी घटनाओं (मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि जो मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है) को दिया जा सकता है।
- WMO ने पहले ही पूर्वानुमान लगाया है कि अल नीनो की घटना से"वर्ष 2024 के प्रमुख रूप से गर्म रहने' की संभावना है।
- देश में सबसे अधिक मौतें बिजली गिरने और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हुई है, जिसके बाद बाढ़ तथा अधिक बारिश से हुई हैं।

**नोट :**

# कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता के शावक

## चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के अनुसार, मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई चीता आशा ने इन तीन शावकों को जन्म दिया है।

- इस विकास को "प्रोजेक्ट चीता के लिये एक बड़ी सफलता" कहा जाता है।

## चीता (Cheetah)

**सामान्य नाम:** एशियाई चीता

**वैज्ञानिक नाम:** *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

**विशेषताएँ:**

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

### अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

एशियाई चीता

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल* ***12*** *चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

अफ्रीकी चीता

### भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष* ***2009*** *में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को* ***मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान*** *में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

DRISHTI IAS

नोट :

### मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कुनो राष्ट्रीय उद्यान, जो नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों का घर है।
- भारत में प्रोजेक्ट चीता औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022 को चीतों की आबादी को बहाल करने के लिये शुरू किया गया था, जिन्हें वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।
- भारत सरकार द्वारा बहुत सी वन्यजीव संरक्षण परियोजनाएँ शुरू की गई हैं जैसे:
  - प्रोजेक्ट टाइगर
  - प्रोजेक्ट एलीफेंट
  - प्रोजेक्ट गैंडा
  - मगरमच्छ संरक्षण परियोजना
  - गिद्ध परियोजना
  - प्रोजेक्ट रेड पांडा
  - गंगा नदी डॉल्फिन परियोजना
  - प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड
  - प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

## फूड स्ट्रीट 'प्रसादम', उज्जैन

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देश की पहली स्वस्थ और स्वच्छ फूड स्ट्रीट, 'प्रसादम' का उद्घाटन किया, जो उज्जैन के महाकाल लोक में पारंपरिक स्वस्थ भोजन तथा मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसेगी।

### मुख्य बिंदु:

- 175 लाख रुपए की लागत से बनी 'प्रसादम' में 17 दुकानें होंगी, जिनमें राजगिरा, सांवा, कुट्टू, रागी, दाल-बाफले और राज्य के अन्य प्रसिद्ध पारंपरिक व्यंजनों से बने व्यंजन उपलब्ध होंगे।
- फूड स्ट्रीट फरवरी, 2024 के पहले सप्ताह से पूरी तरह से चालू हो जाएगी और परिसर में जंक फूड तथा प्लास्टिक प्रतिबंधित है।
- भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) विक्रेताओं को खाद्य हैंडलिंग प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जबकि फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स वाहन सप्ताह में एक बार भोजन का निरीक्षण करने आएगा और विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेगा।
  - देश के विभिन्न स्थानों पर 100 स्वस्थ और स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब बनेंगे।
- मुख्यमंत्री ने मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित 'मैनहिट' ऐप भी लॉन्च किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश की मानसिक स्वास्थ्य इकाई द्वारा मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग ऐप "मैनहिट" विकसित किया गया है।
  - इसे मुख्य रूप से तीन खंडों में विभाजित किया गया है: मानसिक स्वास्थ्य स्व-मूल्यांकन, जागरूकता सामग्री/वीडियो और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ संपर्क।

### मोटे अनाज

- मोटे अनाज पारंपरिक रूप से देश के संसाधनहीन कृषि-जलवायु क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। इन्हें पोषक-अनाज भी कहा जाता है।
  - कृषि-जलवायु क्षेत्र एक निश्चित श्रेणी की फसलों और किस्मों के लिये उपयुक्त प्रमुख जलवायु के संदर्भ में एक भूमि इकाई है।
- प्रमुख मोटे अनाज (Major millets) में ज्वार (sorghum), बाजरा (pearl millet) और रागी (finger millet) शामिल हैं, जबकि गौण मोटे अनाज (Minor millets) में कंगनी (foxtail), कुटकी (little millet), कोदो (kodo), वरिगा/पुनर्वा (proso) तथा साँवा (barnyard millet) शामिल हैं।
- मोटे अनाज उत्पादक राज्यों में कर्नाटक, राजस्थान, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि शामिल हैं।

नोट :

## इंदौर: लगातार सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर

### चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरस्कार प्राप्त किया।

- इंदौर लगातार सातवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना।

### मुख्य बिंदु:

- इंदौर ने सूरत के साथ सबसे स्वच्छ शहर का खिताब साझा किया है।
- भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मध्य प्रदेश ने एक बार फिर स्वच्छता के कीर्तिमान स्थापित किये।
- स्वच्छ भारत मिशन में राज्य की उपलब्धियाँ:
  - राज्य के शत-प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट संग्रहण किया जा रहा है। इसके लिये नगरीय निकायों को मोटर चालित वाहन उपलब्ध कराये गए हैं। इन वाहनों में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) सिस्टम लगाए गए हैं।
  - गीले कचरे के प्रसंस्करण एवं निष्पादन हेतु होम कम्पोस्टिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। निकायों की केंद्रीकृत कंपोस्टिंग इकाइयों में संग्रहित गीले कचरे से खाद बनाई जाती है। इस खाद का उपयोग शहरी क्षेत्रों से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में खाद के रूप में किया जाता है।

### स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

- बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए शहरों को शहरी स्वच्छता की स्थिति में सुधार करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रतिस्पर्धी ढाँचे के रूप में वर्ष 2016 में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरुआत की गई थी।
- पिछले कुछ वर्षों में, स्वच्छ सर्वेक्षण विश्व में सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के रूप में उभरा है।

## अलीराजपुर में मुख्यमंत्री मेगा हेल्थ कैंप

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के अलीराजपुर के ग्राम उमराली स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में मुख्यमंत्री निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन हुआ।

### मुख्य बिंदु:

- EMRS की शुरुआत वर्ष 1997-98 में दूरदराज़ के क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये की गई थी ताकि वे उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा का लाभ उठा सकें और विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार प्राप्त कर सकें।
  - संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के अंतर्गत अनुदान के तहत स्कूलों के निर्माण और राज्य सरकारों को आवर्ती खर्च के लिये अनुदान दिया गया था।
- वर्ष 2022 से 50% से अधिक ST आबादी और कम-से-कम 20,000 आदिवासी व्यक्तियों वाले प्रत्येक ब्लॉक में एक EMRS होगा।
- एकलव्य विद्यालय नवोदय विद्यालय के समान होंगे और उनमें खेल एवं कौशल विकास में प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा स्थानीय कला तथा संस्कृति के संरक्षण के लिये विशेष सुविधाएँ होंगी।

## नदी जोड़ो परियोजना पर चिंता

### चर्चा में क्यों ?

एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में एक प्रमुख बांध परियोजना, जो महत्त्वाकांक्षी नदी जोड़ो परियोजना का हिस्सा है, को केंद्र सरकार की विशेषज्ञ समिति द्वारा पर्यावरण स्वीकृति का उल्लंघन करते हुए पाया गया है।

नोट :

**मुख्य बिंदु:**

- जाँच के दायरे में आने वाली बांध परियोजना लोअर उर बांध है जो वर्ष 2019 में शुरू हुई थी। यह केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना का हिस्सा है।
- नेशनल इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर (ILR) का विचार है कि नदियों को आपस में जोड़ा जाना चाहिए, ताकि जल की कमी के मुद्दे को हल करने के लिये अधिशेष नदियों और क्षेत्रों से जल को कमी वाले क्षेत्रों एवं नदियों में स्थानांतरित किया जा सके।
  - इसके फलस्वरूप वर्ष 1982 में राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (NWDA) की स्थापना हुई।
- चार प्रमुख परियोजनाएँ जिनके लिये विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार की गई हैं: केन-बेतवा लिंक, दमनगंगा-पिंजल लिंक, पार-तापी-नर्मदा लिंक और महानदी-गोदावरी लिंक।
  - नदियों को जोड़ने की आलोचना पारिस्थितिक परिणामों, मूल निवासियों के विस्थापन से लेकर इस अभ्यास के त्रुटिपूर्ण आधार तक है।
- जाँच के दायरे में आने वाली लोअर उर परियोजना में एक बांध और एक नहर नेटवर्क का निर्माण शामिल है।
- विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के निष्कर्षों के अनुसार, वर्ष 2022 तक जब कथित अनियमितताएँ प्रकाश में आईं तो बांध का लगभग 82% तथा नहर नेटवर्क का 33.5% केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की स्वीकृति के बिना पूरा हो चुका था। ।

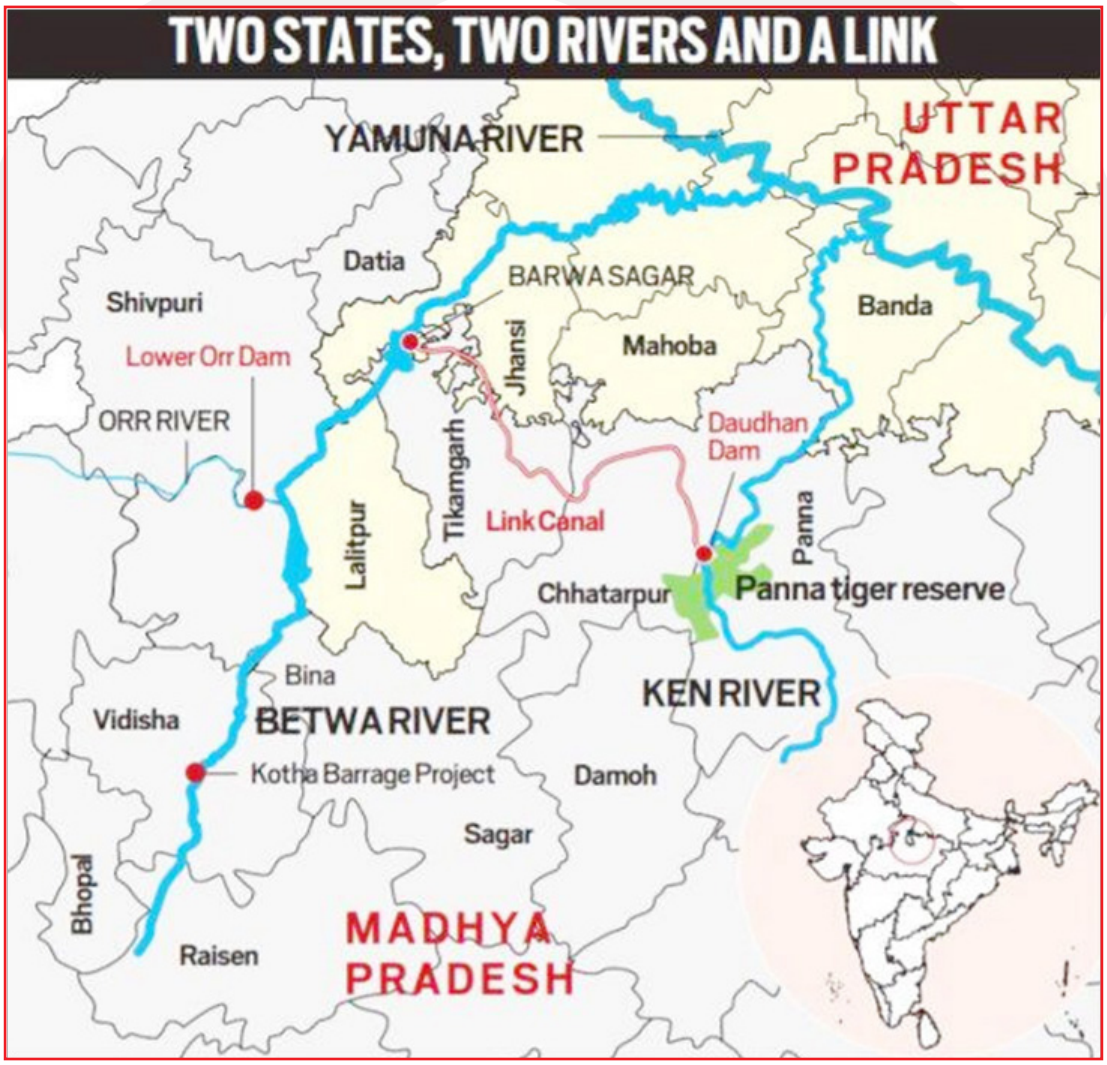


नोट :

## केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना( KBLP )

- यह नदियों को जोड़ने की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के तहत पहली परियोजना है, जिसका उद्देश्य जल की कमी को दूर करने और सिंचाई को बढ़ाने के लिये एक नदी बेसिन से अधिशेष जल को दूसरे नदी बेसिन में स्थानांतरित करना है।
- KBLP में मध्य प्रदेश में केन नदी से उत्तर प्रदेश में बेतवा नदी तक जल स्थानांतरित करना शामिल है, ये दोनों यमुना नदी की सहायक नदियाँ हैं।
- परियोजना के दो चरण हैं, जिनमें मुख्य रूप से चार घटक हैं:
  - चरण-I में घटकों में से एक शामिल होगा- दौधन बांध परिसर और इसकी सहायक इकाइयाँ, जैसे– निम्न-स्तरीय सुरंग, उच्च-स्तरीय सुरंग, केन-बेतवा लिंक नहर तथा विद्युतघर।
  - चरण-II में तीन घटक शामिल होंगे: उर नदी पर लोअर बांध, बेतवा की एक सहायक नदी, बीना कॉम्प्लेक्स परियोजना और कोठा बैराज।

# कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते की मृत्यु

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में एक और नामीबियाई चीते की मौत हो गई।

- वर्ष 2022 में दक्षिण अफ्रीका के नामीबिया से लाए गए चीतों में से यह दसवाँ है जिसकी मृत्यु हुई है।

## मुख्य बिंदु:

- भारत में चीते लगभग 70 वर्षों से विलुप्त हैं। प्रोजेक्ट चीता देश में इस प्रजाति को फिर से लाने की एक पहल है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के अनुसार, यह जंगली, बड़ी मांसाहारी प्रजाति का पहला अंतरमहाद्वीपीय पुन प्रवेश है।
- नामीबिया में एक गैर-लाभकारी संगठन, चीता कंज़रवेशन फंड (CCF) को भारत सरकार द्वारा भारत में चीतों को फिर से लाने के लिये एक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया था।
- तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने सितंबर 2010 में प्रोजेक्ट चीता का पहला अवलोकन साझा किया।
  - इसमें टास्क फोर्स के बारे में जानकारी के साथ-साथ विश्व में चीतों की वर्तमान स्थिति, भारत में चीतों को फिर से लाने के लाभ और जटिलताओं एवं उन क्षेत्रों को रेखांकित किया गया, जहाँ उन्हें फिर से लाया जा सकता है।
  - जनवरी 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश में चीतों को फिर से लाने के पायलट कार्यक्रम को स्वीकृति दे दी।
  - जुलाई 2020 में, भारत और नामीबिया गणराज्य ने एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये, जहाँ नामीबियाई सरकार कार्यक्रम के लिये आठ चीता को दान करने पर सहमत हुई।
- चार से छह वर्ष की उम्र के बीच की पाँच मादा और तीन नर दक्षिणपूर्व अफ्रीकी चीतों को भारत लाया गया तथा मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क (KNP) में संगरोध में रखा गया।
- फरवरी 2023 में, परियोजना का विस्तार करने के लिये दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए। MoEFCC ने आगे "अगले आठ से 10 वर्षों के लिये प्रत्येक वर्ष 12 और चीतों को स्थानांतरित करने" की योजना बनाई है।

चीता कंज़रवेशन फण्ड(CCF)

- CCF नामीबिया में एक अनुसंधान और लॉबी संस्थान है जो विश्व में सबसे बड़ी एवं स्वस्थ चीता आबादी के अध्ययन तथा भरण-पोषण से संबंधित है।
- इसका अनुसंधान और शिक्षा केंद्र, ओटजीवारोंगो के पूर्व में स्थित है।
- CCF की स्थापना वर्ष 1990 में संरक्षण जीवविज्ञानी लॉरी मार्कर द्वारा की गई थी, जिन्होंने नामीबिया में अपने प्रयासों के लिये 2010 टायलर पुरस्कार जीता था।

नोट :

### कुनो राष्ट्रीय उद्यान

- कुनो राष्ट्रीय उद्यान जो मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थित है, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित कई चीतों का आवास स्थान है।
- भारत में प्रोजेक्ट चीता औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022 को चीतों की आबादी को बहाल करने के लिये शुरू हुआ, जिन्हें वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

## मध्य प्रदेश सरकार कोष संकट

### चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने कोष संकट के कारण 370 योजनाएँ रोक दी हैं। इसमें स्कूल, आईटी उद्योग, कृषि ऋण, मेट्रो रेल और प्रधानमंत्री सड़क योजना से संबंधित योजनाएँ शामिल हैं।

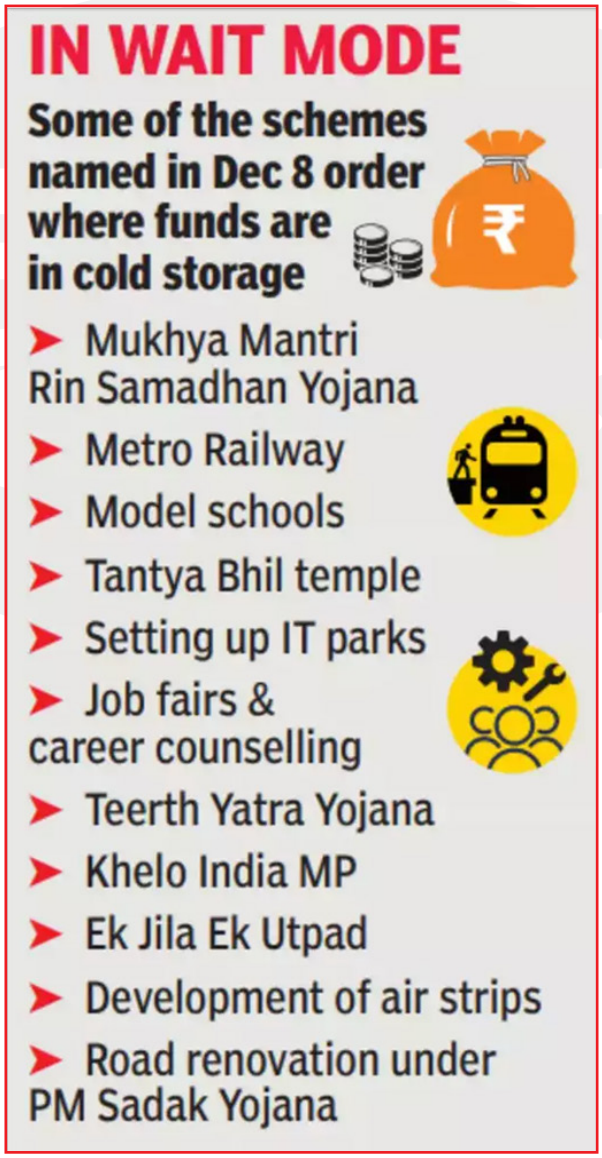


नोट :

### मुख्य बिंदु:

- अधिकारियों ने कहा है कि कोई भी परियोजना बंद नहीं की गई है, लेकिन धनराशि सुरक्षित रखी जा रही है। इसके अतिरिक्त, किसी भी योजना के लिये धनराशि निकालने से पहले वित्त विभाग से अनुमोदन आवश्यक है।
- नई सरकार को विरासत में 3.5 लाख करोड़ रुपए का क़र्ज़ मिला और एक महीने से भी कम समय में उसने 2,000 करोड़ रुपए का नया क़र्ज़ लिया है।
- जुलाई 2023 में विधानसभा में पारित 26,816.6 करोड़ रुपए के पहले अनुपूरक बजट में, सरकार द्वारा लिये गए नए बाज़ार ऋण के ब्याज का भुगतान करने हेतु 762 करोड़ रुपए अलग रखे गए थे। इसके साथ ही विधानसभा में दूसरा अनुपूरक बजट पारित किया जाएगा।
- सरकार की बड़ी वित्तीय ज़िम्मेदारियों में 'लाडली बहना योजना' भी शामिल है, जिसके लिये हर महीने करीब 1,600 करोड़ रुपए की ज़रूरत होती है।

## बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में बाघ की मृत्यु

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व (BTR) में एक युवा बाघ मृत पाया गया था।

### मुख्य बिंदु:

- 12 महीने से 18 महीने की उम्र के उप-वयस्क बाघ का शव BTR के धमोखर रेंज में एक खाई में देखा गया था।
- शव परीक्षण के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के दिशा-निर्देशों के अनुसार शवाधान कर दिया गया।
  - 9 जनवरी को, 15 महीने से 18 महीने की उम्र के एक युवा बाघ का शव BTR के पतोर रेंज में एक खाई में पाया गया था।
- मध्य प्रदेश ने हालिया जनगणना (2022) में "बाघ राज्य" का दर्जा बरकरार रखा है, राज्य में बड़ी बिल्ली प्रजातियों की संख्या वर्ष 2018 में 526 से बढ़कर 785 हो गई है।
- रिपोर्ट 'स्टैटस ऑफ टाइगर्स: को-प्रेडेटर एंड प्रेय इन इंडिया-2022' के अनुसार, जुलाई 2023 में NTCA और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा जारी की गई, मध्य प्रदेश (785) में देश में सबसे अधिक बाघों की संख्या है, इसके बाद कर्नाटक (563) तथा उत्तराखंड (560) का स्थान है।

### बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व ( BTR )

- यह मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में स्थित है और विंध्य पहाड़ियों पर फैला हुआ है।
- वर्ष 1968 में, इसे एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया था और वर्ष 1993 में निकटवर्ती पनपथा अभयारण्य में प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क के तहत एक बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।
- इसका नाम इस क्षेत्र की सबसे प्रमुख पहाड़ी के नाम पर रखा गया है, जिसके विषय में कहा जाता है कि इसे हिंदू भगवान राम ने अपने भाई लक्ष्मण को लंका पर नज़र रखने के लिये दिया था। इसलिये इसका नाम बांधवगढ़ पड़ा।
- यह रॉयल बंगाल टाइगर्स के लिये जाना जाता है। बांधवगढ़ में बाघों की जीवसंख्या का घनत्व भारत के साथ-साथ विश्व में सबसे अधिक है।
- पूरा पार्क 20 से अधिक धाराओं से भरा हुआ है, जिनमें से कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण धाराएँ हैं जोहिला, जनाध, चरणगंगा, दमनार, बनबेई, अम्बानाला और अंधियारी झिरिया हैं।
  - ये धाराएँ फिर सोन नदी (गंगा नदी की एक महत्त्वपूर्ण दक्षिणी सहायक नदी) में विलीन हो जाती हैं।
- महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में चीतल, सांभर, भौंकने वाले हिरण, नीलगाय, चिंकारा, जंगली सुअर, चौसिंघा, लंगूर और रीसस मकाक शामिल हैं।
- बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया और सियार जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

नोट :

### भारतीय वन्यजीव संस्थान

- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी।
- यह देहरादून, उत्तराखंड में स्थित है।
- यह वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम तथा सलाह प्रदान करता है।

## भारत में दलहन उत्पादन की स्थिति

### चर्चा में क्यों ?

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, अधिक क्षेत्रफल के कारण भारत वर्ष 2023-24 फसल वर्ष के दौरान मसूर (Lentil) का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक बनने के लिये तैयार है।

- मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र मसूर का कटोरा माना जाता है जो देश के कुल मसूर उत्पादन में लगभग 25% का योगदान देता है।

### मुख्य बिंदु:

- अधिक क्षेत्रफल के कारण वर्ष 2023-24 रबी सीज़न में देश का मसूर उत्पादन 1.6 मिलियन टन के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुँचने का अनुमान है।
- भारत विश्व में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक (वैश्विक उत्पादन का 25%), उपभोक्ता (विश्व खपत का 27%) तथा आयातक (14%) है।
  - खाद्यान्न के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में दलहन की हिस्सेदारी लगभग 20% है तथा देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन में इसका योगदान लगभग 7-10% है।
  - चना सबसे प्रमुख दलहन है जिसकी कुल उत्पादन में हिस्सेदारी लगभग 40% है, इसके बाद तुअर/अरहर की हिस्सेदारी 15 से 20% तथा उड़द/ब्लैक मेटपे एवं मूंग दलहन की हिस्सेदारी लगभग 8-10% है।
  - हालाँकि दलहन का उत्पादन खरीफ तथा रबी दोनों सीज़न में किया जाता है, रबी सीज़न में उत्पादित दलहन का कुल उत्पादन में 60% से अधिक का योगदान है।
  - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक शीर्ष पाँच दलहन उत्पादक राज्य हैं।
- किसानों के लिये उचित मूल्य सुनिश्चित करने की नीति मुख्य रूप से राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India - NAFED) और हाल ही में लघु कृषि कृषक व्यापार संघ (Small Farmers Agri Consortium - SFAC) के माध्यम से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (Minimum Support Prices - MSP) प्रदान करके दालों की खरीद पर केंद्रित है।

### मसूर

- परिचय:
  - मसूर 'फली (Legume) परिवार' का एक झाड़ीदार वार्षिक शाकाहारी पौधा है।
  - ये खाने योग्य फलियाँ हैं, जो अपने लेंस के आकार के, चपटे टुकड़ों वाले बीजों के लिये जानी जाती हैं।
  - मसूर के पौधे सामान्यत: छोटे होते हैं और उनमें स्व-परागण वाले फूल लगते हैं।
  - मसूर की दाल ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, फाइबर, फास्फोरस, लौह, जस्ता, कैरोटीन, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट के उत्कृष्ट स्रोत हैं।
- जलवायु संबंधी स्थिति:
  - मसूर मुख्यत: वर्षा आधारित फसल के रूप में उगाई जाती है।
  - इसकी वानस्पतिक वृद्धि के समय ठंडे तापमान और परिपक्वता के समय गर्म तापमान की आवश्यकता होती है।
  - मसूर की खेती रबी मौसम में की जाती है।

नोट :

- मृदा प्रकार:
  - मसूर की दलहन का उत्पादन विभिन्न प्रकार की मृदा में किया जा सकता है जिसमें रेत से लेकर चिकनी दुमट इत्यादि जैसी मृदाएँ शामिल हैं किंतु इसका सबसे अच्छा उत्पादन मध्यम उर्वरता वाली गहरी बलुई दुमट मृदा में होता है।
  - 7 pH मान के आसपास की मृदा इसके लिये सबसे उपयुक्त मानी जाती है। बाढ़ अथवा जलभराव की स्थिति मसूर की फसल को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।

## मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर महाकाल के लड्डुओं को अयोध्या के लिये रवाना किया

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तुलसी मानस मंदिर से अयोध्या के लिये 5 लाख लड्डुओं से भरे 'प्रसाद रथ' (ट्रक) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

### मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री ने मानस प्रतिष्ठान स्थित श्री सिद्ध रघुनाथ मंदिर में भगवान राम की पूजा की तथा अयोध्या पर रामगोपाल सोनी द्वारा लिखित पुस्तक का भी विमोचन किया।
- भगवान राम के प्रति प्रेम, आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है।
- उन्होंने उज्जैन और अयोध्या के समान सांस्कृतिक तथा धार्मिक संबंध के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐतिहासिक एवं पौराणिक घटनाएँ प्रौद्योगिकी का ज्ञान प्रदर्शित करती हैं।

## भगवान राम से जुड़े स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा

### चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में रामलला से जुड़े स्थानों को लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा।

- उन्होंने निवाड़ी ज़िले के ओरछा कस्बे में राम राजा मंदिर से प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को वर्चुअली देखा।

### मुख्य बिंदु:

- राम मंदिर मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह एक ऐतिहासिक घटना थी।
  - करीब 142 करोड़ लोगों ने सरकार का साथ दिया और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल प्रस्तुत की।

### राम राजा मंदिर

नोट :

- राम राजा मंदिर मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थित एक मंदिर है।
- यह एक पवित्र हिंदू तीर्थस्थल है और यहाँ नियमित रूप से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा इसे आमतौर पर ओरछा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।
- जिन मूर्तियों को भव्य चतुर्भुज मंदिर में स्थापित किया जाना था, उन्हें उस ज़मीन पर रखा गया था जहाँ अब यह मंदिर स्थित है।
- लेकिन एक बार ज़मीन पर रखने के बाद मूर्तियाँ हिल नहीं पाती थीं।
  - इससे वह स्थान पवित्र हो गया और एक मंदिर का निर्माण किया गया जहाँ मूर्तियाँ रखी गईं।
  - राम राजा मंदिर की वास्तुकला उत्कृष्ट है, जो संगमरमर के प्रांगण और रंगीन दीवारों से सुसज्जित है।

## स्वच्छ सर्वेक्षण 2023: स्वच्छता में भोपाल 5वें स्थान पर

### चर्चा में क्यों ?

वर्ष 2022 में छठे स्थान से आगे बढ़ते हुए, भोपाल अब 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में 5वाँ सबसे स्वच्छ शहर है। भोपाल को 5-स्टार अपशिष्ट मुक्त शहर (GFC) रेटिंग से भी सम्मानित किया गया है, जिससे यह देश में राज्य की सबसे स्वच्छ राजधानी बन गया है।

- इसके अतिरिक्त, भोपाल सबसे स्वच्छ दस लाख से अधिक आबादी के शहरों में 5वें स्थान पर है।

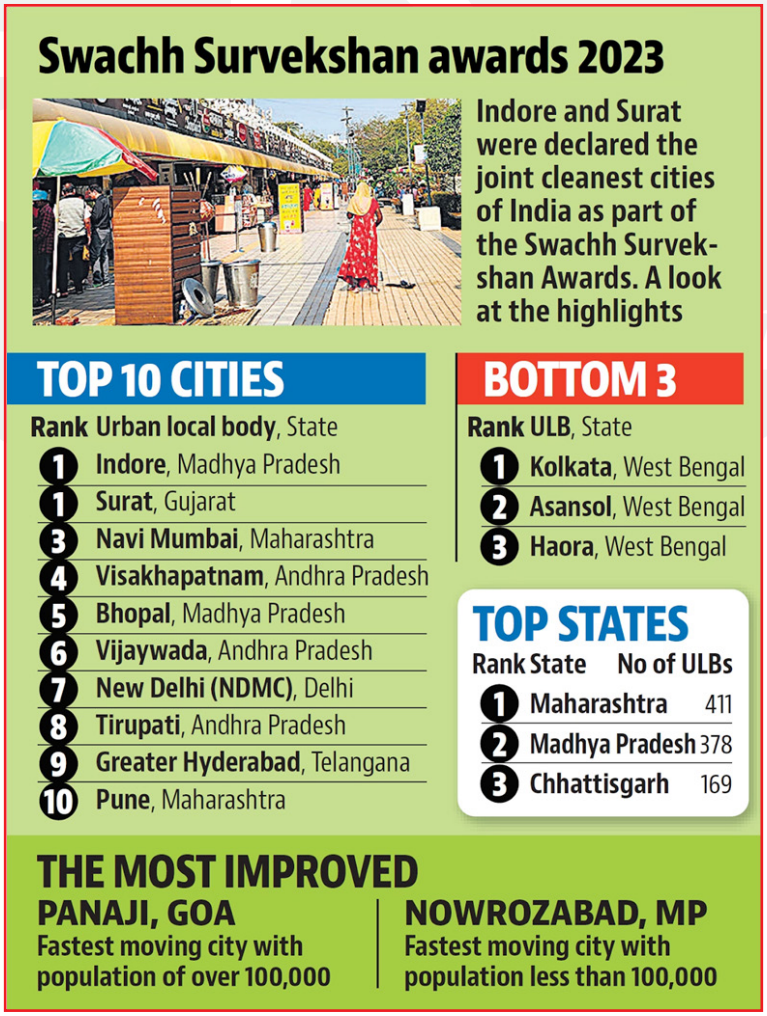


नोट :

### मुख्य बिंदु:

- अपशिष्ट के प्रभावी प्रसंस्करण और निपटान को सुनिश्चित करने के लिये भोपाल के सभी 12 ट्रांसफर स्टेशनों पर एक सुव्यवस्थित पृथक्करण प्रणाली लागू की गई है। फिलहाल शहर में 6 मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) हैं।
- भानपुर डंपसाइट का हरित क्षेत्र में परिवर्तन स्थायी शहरी नियोजन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- भोपाल नगर निगम पारंपरिक अपशिष्ट उपचार से आगे बढ़ गया है और खतरनाक अपशिष्ट को ईंधन के मूल्यवान स्रोत के रूप में उपयोग करता है।
  - शहर ने हज़ारगो इंडस्ट्री पीथमपुर के साथ सहयोग किया है, जिससे घरों, कार्यालयों और कारखानों से निकलने वाले खतरनाक अपशिष्ट को वैज्ञानिक रूप से प्रबंधित करने के लिये यहाँ पहले प्री-प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना हुई है।
  - जैव-चिकित्सा अपशिष्ट को प्रभावी ढंग से संसाधित करने के लिये शहर में एक सामान्य जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा (CBMWTF) स्थापित की गई है।
    - यह सुविधा आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से चिकित्सा अपशिष्ट के व्यापक प्रबंधन, परिवहन, भंडारण और उपचार की देखरेख करती है।
- चल रही परियोजनाओं के हिस्से के रूप में, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (NTPC) ने 400 टन प्रतिदिन (TPD) सूखे नगरपालिका ठोस अपशिष्ट से टोररिफाइड चारकोल संयंत्र की स्थापना के लिये BMC के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। उत्पादित टार्फाइड चारकोल का उपयोग NTPC के ताप विद्युत संयंत्रों में उप-उत्पाद के रूप में किया जाएगा।
- आगे बढ़ते हुए भोपाल MC ने अपशिष्ट-मुक्त शहर की दिशा में अपनी आगे की यात्रा जारी रखने की योजना बनाई है, ताकि दूसरों के लिये अनुसरण करने हेतु मानक स्थापित किये जा सकें।

### स्वच्छ सर्वेक्षण

- परिचय:
  - MoHUA द्वारा वर्ष 2016 से आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण, विश्व का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता और सफाई सर्वेक्षण है।
    - यह नागरिकों को सेवा वितरण में सुधार लाने और शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में कस्बों तथा शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की भावना को बढ़ावा देने में सहायक रहा है।
- वर्ष 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण की कुछ मुख्य विशेषताएँ :
  - राज्य स्वच्छता रैंकिंग में मध्य प्रदेश ने दूसरा स्थान हासिल किया।
  - निम्न प्रदर्शन वाले पाँच राज्य: अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, राजस्थान, नगालैंड तथा त्रिपुरा को स्वच्छता में निम्न प्रदर्शन वाले पाँच राज्यों के रूप में स्थान दिया गया।
  - स्वच्छता कर्मचारियों के लिये सर्वोत्तम सुरक्षा मानकों वाले शहर के लिये चंडीगढ़ को सफाईमित्र सुरक्षित शहर पुरस्कार प्रदान किया गया।
  - वाराणसी को सबसे स्वच्छ गंगा शहर के रूप में मान्यता दी गई।

## मप्र लोकायुक्त ने राज्य बोर्ड में घोटाले की जाँच की

### चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड लगभग 100 करोड़ रुपए की कंप्यूटर खरीद में अनियमितता के आरोप में राज्य लोकायुक्त संगठन की जाँच के दायरे में है।

### मुख्य बिंदु:

- कंप्यूटर डेस्कटॉप, फोटोकॉपियर और UPS की खरीद में बड़ी गड़बड़ी का हवाला देते हुए लोकायुक्त संगठन में शिकायत दर्ज की गई है।
  - प्रत्येक कंप्यूटर डेस्कटॉप की लागत 1,39,350 रुपए बताई गई, जिसके परिणामस्वरूप कुल खर्च लगभग 96.70 करोड़ रुपए हुआ।

नोट :

- विभाग द्वारा 4,519 सहकारी समितियों के लिये हार्डवेयर खरीदा गया, जिसमें प्रत्येक पैक में पाँच डिवाइस डेस्कटॉप, मल्टी-फंक्शन डिवाइस (फोटोकॉपी, स्कैन, प्रिंट), UPS, VPN और बायोमेट्रिक शामिल थी। इस खरीद पर कुल खर्च करीब 55 करोड़ रुपए हुआ।

- इसमें दावा किया गया है कि हार्डवेयर खरीद में लगभग 45 करोड़ रुपए की स्पष्ट वित्तीय अनियमितता हुई है।
- यह माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के डेस्कटॉप की बढ़ी हुई दरों पर प्रकाश डालता है, जो सहकारी विभाग की खरीद की तुलना में प्रति यूनिट 82,000 रुपए अधिक थी।

### लोकायुक्त

- लोकायुक्त भारतीय संसदीय ओम्बुड्समैन है, जो भारत की प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है और उसके लिये कार्य करता है।
- यह एक भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण है। किसी राज्य में लोकायुक्त प्रणाली का उद्देश्य लोक सेवकों के खिलाफ शिकायतों, आरोपों की जाँच करना है।
- लोकायुक्त व्यवस्था की उत्पत्ति स्कैंडिनेवियाई देशों में हुई थी।
- भारत में प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त के गठन की सिफारिश की थी।
- महाराष्ट्र पहला राज्य था जिसने वर्ष 1971 में लोकायुक्त निकाय स्थापित किया था।

## सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभागों का विलय

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश कैबिनेट ने सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के विलय के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी गई है

- वर्तमान में अस्पताल सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के दायरे में आते हैं जबकि मेडिकल कॉलेज और संबंधित सुविधाएँ चिकित्सा शिक्षा विभाग के दायरे में आती हैं।

### मुख्य बिंदु:

- विलय से मेडिकल कॉलेज नियमित चिकित्सा सेवाओं के बजाय महत्त्वपूर्ण और विशिष्ट उपचार एवं चिकित्सा शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे साथ ही ज़िला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध करना आसान हो जाएगा।
- कैबिनेट ने निम्नलिखित को भी मंज़ूरी दी:
  - जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 में संशोधन की मांग को लेकर संसद में रखा गया प्रस्ताव। प्रस्तावित संशोधनों में जल प्रदूषण से जुड़े मामूली उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से हटाना शामिल है।
  - मध्य प्रदेश आयुर्वेद विश्वविद्यालय अधिनियम, 2011 में संशोधन।
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी 55 ज़िलों में प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव।
  - इन संस्थानों में 1845 शैक्षणिक एवं 387 गैर शैक्षणिक पदों का सृजन।

जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974

- यह अधिनियम जल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण तथा जल की पूर्णता को बनाए रखने या बहाल करने के लिये अधिनियमित किया गया था। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का गठन क्रमशः अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत किया गया है।
- कुछ अस्पष्टताओं को स्पष्ट करने और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अधिक शक्तियाँ प्रदान करने के लिये अधिनियम में वर्ष 1978 और 1988 में संशोधन किया गया था।

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP ) 2020

- NEP 2020 का लक्ष्य "भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति" बनाना है।

नोट :

- आजादी के बाद से यह भारत में शिक्षा के ढांचे का तीसरा बड़ा सुधार है।
- NEP 2020 का लक्ष्य "भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति (Global Knowledge Superpower)" बनाना है।
- स्वतंत्रता के बाद से यह भारत के शिक्षा ढाँचे में तीसरा बड़ा सुधार है।
- पहले की दो शिक्षा नीतियाँ वर्ष 1968 और 1986 में लाई गई थीं।

## विश्व की सबसे बड़ी 'डायनासोर हैचरी' में से एक का खुलासा

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई खोज के अनुसार, मध्य प्रदेश विश्व की सबसे बड़ी डायनासोर हैचरी में से एक है।

### मुख्य बिंदु:

- राज्य के कई ज़िलों में विस्तृत नर्मदा घाटी में सैकड़ों डायनासोर के अंडे और घोंसले के जीवाश्म मिले हैं, जो कि सबसे बड़े ज्ञात डायनासोरों में से एक शाकाहारी टाइटेनोसॉर से संबंधित हैं।
- सबसे हालिया खोज धार ज़िले के लमेटा में की गई थी, जहाँ विभिन्न संस्थानों के पुरातत्त्वविदों की एक टीम ने निकट स्थित 92 डायनासोर घोंसले और शाकाहारी टाइटेनोसॉर के 256 जीवाश्म अंडे की खोज की, जिनमें से प्रत्येक क्लच में एक से बीस अंडे थे, जो लगभग 66 मिलियन वर्ष पहले के थे।
  - इन डायनासोरों के अंडों का व्यास 15 सेमी. से 17 सेमी. के बीच था, प्रत्येक घोंसले में एक से 20 तक अंडे थे। कुछ अंडों में से बच्चे निकलने के प्रमाण मिले, जबकि अन्य में नहीं।
- लमेटा शैल समूह मास्ट्रिचियन युग (उत्तर क्रेटेशियस) की है और गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में भी पाई जाती है।
  - यह डायनासोर प्रजातियों की विविधता के लिये उल्लेखनीय है, जिसमें टाइटनोसॉर सॉरोपॉड आइसिसॉरस व एबेलिसॉरस इंडोसॉरस, इंडोसुचस, लेविसुचस और राजासॉरस शामिल हैं।
  - लमेटा शैल समूह में स्तनधारियों, सांपों और अन्य जानवरों के जीवाश्म भी शामिल हैं।
  - यह प्रागैतिहासिक शैल समूह क्रिटेशियस काल के अंत में उनके विलुप्त होने से पहले, भारत में डायनासोर के विकास के अंतिम चरण का प्रतिनिधित्व करती है।
- भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, दिल्ली के नेतृत्व में टीम ने वैज्ञानिक पत्रिका PLOS ONE में अपने निष्कर्ष प्रकाशित किये।
  - उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि नर्मदा घाटी एक डायनासोर हैचरी क्षेत्र था, जहाँ टाइटेनोसॉर विशेष रूप से अंडे देने के लिये आते थे।

नोट :

- उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस क्षेत्र की जलवायु गर्म और आर्द्र है, जिसमें प्रचुर वनस्पति तथा जल स्रोत हैं, जो डायनासोर के अस्तित्व के लिये उपयुक्त हैं।
- पिछले अध्ययनों में जबलपुर ज़िले और गुजरात के बालासिनोर शहर में भी इसी तरह के निष्कर्ष सामने आए।

- धार ज़िले में पाए गए कुछ जीवाश्म अंडों को स्थानीय ग्रामीणों, जो पीढ़ियों से उन्हें पवित्र पत्थर के रूप में पूजते आ रहे थे, को मान्यता नहीं दी।
  - हथेली के आकार की ये वस्तुएँ, जिन्हें 'काकर भैरव' या भूमि के स्वामी के रूप में जाना जाता है, खेतों और पशुधन के सुरक्षात्मक देवता माने जाते थे।
- मध्य प्रदेश में डायनासोर के जीवाश्मों और अंडों की खोज ने न केवल क्षेत्र के पुरापाषाण इतिहास के वैज्ञानिक ज्ञान को समृद्ध किया है, बल्कि पर्यटन तथा शिक्षा के लिये नए रास्ते भी खोले हैं।
- राज्य सरकार की इन स्थलों को पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने और राज्य की समृद्ध डायनासोर विरासत के विषय में जनता के बीच जागरूकता उत्पन्न करने की योजना है।

## लमेटा शैल समूह

- लमेटा शैल समूह को 'इन्फ्राट्रैपियन बेड' के रूप में भी जाना जाता है, एक भू-वैज्ञानिक संरचना है, जो दक्कन ट्रैप से जुड़े मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पाई जाती है।
  - 'इंटरट्रैपियन बेड' भारत में एक उत्तर क्रेटेशियस और पूर्व पेलियोसीन भू-गर्भिक संरचना है। यह दक्कन ट्रैप परतों के बीच इंटरबेड के रूप में पाए जाते हैं, जिसमें अधिक विविध लमेटा शैल समूह भी शामिल है।

मास्ट्रिचियन युग (उत्तर क्रेटेशियस)

- मास्ट्रिचियन ICS भूगर्भिक समय पैमाने में है, जो उत्तर क्रेटेशियस युग या ऊपरी क्रेटेशियस शृंखला, क्रेटेशियस अवधि या प्रणाली और मेसोज़ोइक युग या एराथेम का नवीनतम युग (ऊपरी चरण) है। इसका अंतराल 72.1 से 66 मिलियन वर्ष पूर्व तक फैला हुआ था।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :